कैथी लिपि

सीखने की प्रारंभिक पुस्तक

अ आ इ ई

उ ऊ ए ऐ

ओ औ अं अः

विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति'

CODE FOR 1 देवनागरी 2 मिथिला 3 तिरहुतिया 4 भोजपुरी 5 मगही 6 सामान्य 7 अन्य	अ [1]	आ [1]	इ	ई
लेखन कला दिशा दायें से बायें ऊपर से नीचे	उ [1]	ऊ [1]	ए [1]	ऐ [1]
COMMON FOR ALL LETTRS AND DIGITS BOTH	ओ [1]	औ [1]	अं [1]	अः [1]

कैथी लिपि अभ्यास पुस्तिका

(1)

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण

CODE FOR · 1 देवनागरी 2. मिथिला 3. तिरहुतिया 4. भोजपुरी 5. मगही 6. सामान्य 7. अन्य

त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श

1 देवनागरी 2. मिथिला 3. तिरहुतिया 4 भोजपुरी 5. मगही 6. सामान्य 7. अन्य ।

ष	स	ह	क्ष
त्र	ज्ञ	कू	हू
थु	फू	दु	ल्लु
रू	क्य	ख्य	ह्न
त्य	क्त	क्र	कृ

क्ष, त्र, और ज्ञ कैथी मे नहीं होते। यहाँ जो भी युग्माक्षर दिये गये हैं, वे मिथिला क्षेत्र कैथी के हैं। 'श' 'ष' एवं 'स' वाले मिथिला में सबकी '[illegible]' होता है।

मात्रा				
ा आ, ि इ, ी ई	क	का	कि	की
ु उ, ू ऊ, े ए, ै ऐ	कु	कू	के	कै
ो ओ, ौ औ, ं अं, ः अः	को	कौ	कं	कः

शब्द (बलनी के बिना) मिथिला				शब्द (बलनी युक्त) मिथिला			
[illegible]	कमल	[illegible]	सलगम	[illegible]	कैलिह	[illegible]	हायरानी
[illegible]	रमल	[illegible]	कटहल	[illegible]	कुटिल	[illegible]	गोरोगाव
[illegible]	गदर	[illegible]	पनघट	[illegible]	साँवरो	[illegible]	लालीचुनी
[illegible]	फूमल	[illegible]	कसरत	[illegible]	मुंगेर	[illegible]	टेकरीवाल
[illegible]	अजर	[illegible]	पाकल	[illegible]	पुलिआ	[illegible]	मददकारी
[illegible]	रपट	[illegible]	कबूतर	[illegible]	बोकरो	[illegible]	झूलनीगिरैया
[illegible]	अपढ़	[illegible]	दमकर	[illegible]	हलीपरि	[illegible]	कोटाधार
[illegible]	रजत	[illegible]	जलकर	[illegible]	बबाबाम	[illegible]	नड़ीनानी
[illegible]	फहर	[illegible]	भरमत	[illegible]	सिलीडीह	[illegible]	बीड़ही
[illegible]	महल	[illegible]	मलहम	[illegible]	गुलफाईट	[illegible]	जालनी
[illegible]	भजन	[illegible]	छरहर	[illegible]	सुरबाला	[illegible]	ठीकदार
[illegible]	बदर	[illegible]	सरजान	[illegible]	भारतीय	[illegible]	पालकीवाल
[illegible]	चपत	[illegible]	आफलल	[illegible]	हीरोल	[illegible]	झुमरलैला
[illegible]	झगड़	[illegible]	ठकहर	[illegible]	भूलाभूलै	[illegible]	मालाधार
कैथी	— देवनागरी	कैथी	— देवनागरी	कैथी	— देवनागरी	कैथी	— देवनागरी

संयुक्ताक्षर युक्त शब्द (मिथिला)

[illegible]	तुम्हारी	[illegible]	सज्जन	[illegible]	चन्दनक्यारी	[illegible]	वाल्मीकी
[illegible]	कृती	[illegible]	प्रयत्न	[illegible]	तीर्थंकर	[illegible]	धुरन्धर
[illegible]	दौर्थि	[illegible]	पल्लव	[illegible]	परिक्रम	[illegible]	आँगल
[illegible]	त्याज्य	[illegible]	कुलीत्व	[illegible]	कर्णचौथ	[illegible]	वृन्दावन
[illegible]	अर्कुन	[illegible]	प्रत्यक्ष	[illegible]	विस्फोट	[illegible]	ठहूर
[illegible]	सिद्धार्थ	[illegible]	त्रिगुणी	[illegible]	पीकिर	[illegible]	विध्वंसक
[illegible]	चतुर्भुज	[illegible]	स्पर्धा	[illegible]	ध्रुवतारा	[illegible]	अर्पित
[illegible]	ऊर्जा	[illegible]	ड्रवड	[illegible]	फार्मूला	[illegible]	कर्तृमान्य
[illegible]	फर्टिलिटी	[illegible]	द्रुतगामी	[illegible]	सुप्रसिद्ध	[illegible]	हृदय
[illegible]	अन्तर्जल	[illegible]	इन्द्रप्रस्थ	[illegible]	धृतराष्ट्र	[illegible]	चक्षुश्रवा
[illegible]	प्राथमिक	[illegible]	विसम्भर	[illegible]	शतुर्हगी	[illegible]	पुनर्नवा

नोट:- भोजपुर, मगध या अन्यत्र सामान्यतया संयुक्ताक्षरों का प्रयोग नहीं किया गया है।

अभ्यास पाठ - 1 ककहरा

देवनागरी 1	मिथिला 2	तिरहुत 3	भोजपुरी 4	मगही 5	सामान्य 6
कमल	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गजरथ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
परवल	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
झरकन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
खसपर	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
दमखम	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
तलफन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
तरपन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
भरसक	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अधजल	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मलयन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छलकथ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

अभ्यास पाठ - 2 (वर्त्तनी युक्त)

देवनागरी	मिथिला	तिरहुत	भोजपुरी	मगही	सामान्य
किसान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पिटारा	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
दूधिया	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
परीधान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
तिलावत	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गोपालगंज	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अहंकार	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
निखिलेश	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
तिवारीजी	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
हथौरा	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पिरीतिया	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

अभ्यास पाठ - ३
देवनागरी लिपि- भाषा हिन्दी

तिरहुत, मिथिला, भोजपुर, मगध, नेपाल के मधेशिया यानि तराई इलाकाओं के साथ सन्थाल क्षेत्र और बिहार के पूर्वी-दक्षिणी भागों में भी कैथी लिपि का प्रचलन धड़ल्ले से हुआ करता था। १८५० के पूर्व और बाद भी सभी साक्षर अक्सरहाँ अपनी आवश्यकतानुसार इस लिपि का ही प्रयोग में लाते थे। जैसा कि हम देखते हैं, पत्र लेखन दस्तावेज, साहित्य एवं अन्य अभिलेखों का माध्यम यही था। इस लिपि को छापने के लिए छापाखाना इक्के दुक्के ही थे। अधिकतर लोग सामान्य कागजों के बदले भोजपत्र, तालपत्र या बसहा कागज का व्यवहार करते थे। साधारणतया नरकट या करची (बाँस की टहनी) के कलम से लिखते थे। रोशनाई खुद ही बनाकर दवात में रखा करते थे। कैथी लिपि में लिखने वाले लोग अपनी योग्यता और कला प्रवीणता के अनुसार ही लिखावट करते, जो उनकी खास होती थी।

कैथी लिपि- भाषा हिन्दी

अभ्यास

देवनागरी - भाषा तिरहुतिया

रे मनफुरवा एतना देर कहाँ रहले। तबनी से तोरा बोलावत रही तोको आवाज ना सुनले। रे तों बहिर हते का? पंडित आके कबनी से बैसल हथीन, तोरे पैरा ताकत हथीन आ एक तों हते जे डुमरी के फूल जइसे छने मे बीला भैले। खैर ठीक हौ लेले सुन। आपन बस्ता लेके आ। आज से ई पंडीत जी तोरा संस्कृत पढ़ावल करथुन। रहे टेम पर डेली दुरा पर बैठल रहिहे। आ है खूब मनलगाके पढ़िहे लिखिहे बूझले। ओ पंडित जी! ई लैड़िका पढ़े मे त' तेज है लेकिन खेल मे बरहेर बन गेल है। आइस के तनी अधि-के धिआन देवे के परत। कैसे भी एकरा संस्कृत पढ़ा दीठ। ए खेलौरिआ के लंक्कर्रो के बात सीखावे के परत। पैसा कौड़ी के सोच ना करब। हमरा ए बातके ज्ञान है जे गुरुजी खुसरहतन तबही ने चटिया अच्छा से पढ़त।

पाठ-4

कैथी लिपि भाषा तिरहुतिया

[illegible]

अभ्यास पा

देवनागरी लिपि - भाषा भोजपुरी

वीर कुँवर सिंह जैसन राजा पर पूरे देश के गर्व बा। अब तो ओह समय के खीसा कहेवाला केहू ना बाँचल हउए। ई इतिहास मे स्वर्णाक्षर में लिखाइल हऽ। आज लरिकन सभे इहे कुल्ही पढ़के मालुम करत बा। ऊ भोजपुर के रहन। ई पूरा संसार जानता कि ओ कइसे अंगरेजवन के दाँत खट्टा कइलन। एक अस्सी बरीस के बुढ़ आपन राजधर्म के रक्षा करे खातिर जीजान लगाके अंग्रेज लड़वइया के छक्का छोड़ा दिहलें। ऊ कतनो परयास कैलस पर इनका पकड़ला से नाकाम रहल। बाबू कुँवर सिंह जब गंगा पार करत रहन आ ब्रिटिस सिपाही के बंदूक का गोली उनकर बहिँया छेद दिहल तो ऊ आपन बाँह झट से काट गंगा मैया के समरपित कर दिहले।

5

कैथी लिपि - भाषा भोजपुरी

[illegible]

अभ्यास - 6

देवनागरी लिपि-भाषा मगही

राजा दसरथ के चार बेटवा हलथीन । बड़का बेटवा राम ओकर बाद भरत तेसर लछुमन आ सतरूघन चारिमा लेकिन जहमी से राम-लछुमन-भरत आ सतरूघन कहावे लगल । जब राम वन बिदा होलथीन त सीता मइया साथ हो गेलथी। भरत ननिहाल सुने रह गेल लछुमन के भाउस लग गेल । वनही मे लंकापति रावण सीताजी के हरण केलक । जटायु अपना भर लड़ल । रावण ओकर पाँखे काट देलथी । लाचार ओ धरती पर गीर गेल । रन-बन भीरत किष्कीन्धा मे सुग्रीव, हनुमान से जामवन्त से मिलके, श्रीराम, सीताके पता लगौलथी । लंका के अशोक बन में एक पेड़ के नीचे जगजननी जानकी हथी से सम्पाती अपन गीद्ध दृष्टि से देखल के राम के सही सही कह देले । तब भगवान समुंदर पर पाथर के पुल बना लंका परवेस करके बन्दर सैना ले चढ़ाई कैलथी । हनुमान, अंगद पहले लंकादेश घूम लेले रहे । लंका जीत सीताके राम अवध पधारले।

कैथी लिपि – भाषा मगही

[illegible]

अभ्यास -

देवनागरी - भाषा हिन्दी

श्री भैरव लाल दास की शोधपरक पुस्तक "कैथी लिपि का इतिहास" का मैंने उत्सुकता पूर्वक अवलोकन किया और इसकी अन्वेषी दृष्टि और अथक साधना से आश्वस्त हुआ। इनके भीतर एक अनुसंधित्सु की उत्कट जिज्ञासा और लम्बी दूरी के धावक का धैर्य है। वस्तुतः 'लिपि' का इतिहास मानव सभ्यता के विकास के साथ जुड़ा है। भाषा और लिपि में संकेत चिन्हों का प्रयोग और प्रचलन का आधार प्रकृति और जीवन के विभिन्न उपादान रहे हैं। मनुष्य में अनुकरण की सहज प्रवृत्ति होती है। उनकी इसी प्रवृत्ति को मैं एक प्रोत्साहन मानकर यह सब करने को उद्यत हुआ हूँ। कैथी लिपि के जानकारों की संख्या प्रायः नगण्य सा हो चुका है। अतः इसमें प्राण फूंकने हेतु इस तरह की पुस्तक का निर्माण अत्यावश्यक जान पड़ा। पता नहीं कितने लोग इससे लाभ उठा पायेंगे। जो भी हो इच्छा काहुँ नहि फल भरी नहीं न सींचैं नीर। परमारथ के कारणे साधुन धरा शरीर॥ अधिक से अधिक लोग कैथी सीखें - यही सहज कामना है।

7

कैथी - भाषा हिन्दी

[illegible]

विभिन्न अंक तालिका

देवनागरी	मिथिला	तिरहुति	भोजपुरी	मगही	सामान्य	अन्य
१	१	१	१	१	१	1
२	२	२	२	२	२	2
३	३	३	३	३	३	3
४	४	४	४	४	४	4
५	५	५	५	५	५	5
६	६	६	६	६	६	6
७	७	७	७	७	७	7
८	८	८	८	८	८	8
९	९	९	९	९	९	9
१०	१०	१०	१०	१०	१०	10
११	११	११	११	११	११	11
१२	१२	१२	१२	१२	१२	12
१३	१३	१३	१३	१३	१३	13
१४	१४	१४	१४	१४	१४	14
१५	१५	१५	१५	१५	१५	15
१६	१६	१६	१६	१६	१६	16
१७	१७	१७	१७	१७	१७	17
१८	१८	१८	१८	१८	१८	18
१९	१९	१९	१९	१९	१९	19
२०	२०	२०	२०	२०	२०	20

जमीनी माप तालिका

लम्बाई :–

१२ अंगुल = एक बित्ता = 9 इन्च

२ बित्ता = एक हाथ = 18 इंच = 1½ फीट

2 हाथ = एक गज = 36" = 3 फीट

220 गज = एक फरलांग

८ फरलांग = एक माइल (1.61 किलोमीटर)

2 माइल = एक कोस

क्षेत्रफल :–

लम्बाई × (गुणे) चौड़ाई = क्षेत्रफल

1 लग्गी × 1 लग्गी = 1 धूर

20 धुरकी = 1 धूर

20 धूर = 1 कट्ठा

20 कट्ठा = 1 बीघा

अर्जी

[illegible] क्षेत्र क्षेत्र में लग्गी की लम्बाई अलग होती है – 6, 6½, 8, 8½, 13 हाथ (लगभग)

लिखावट

[illegible]	1 धुरकी
[illegible]	2 धुरकी
[illegible]	3 धुरकी
[illegible]	4 धुरकी
[illegible]	5 धुरकी
[illegible]	6 धुरकी
[illegible]	7 धुरकी
[illegible]	8 धुरकी
[illegible]	9 धुरकी
[illegible]	10 धुरकी
[illegible]	15 धुरकी
[illegible]	1 धूर
[illegible]	2 धूर
[illegible]	3 धूर
[illegible]	4 धूर
[illegible]	5 धूर
[illegible]	6 धूर
[illegible]	10 धूर

[illegible]	15 धूर
[illegible]	1 कट्ठा
[illegible]	2 कट्ठा
[illegible]	3 कट्ठा
[illegible]	4 कट्ठा
[illegible]	5 कट्ठा
[illegible]	10 कट्ठा
[illegible]	15 कट्ठा
[illegible]	1 बीघा
[illegible]	1 बीघा 1 कट्ठा 4 धूर
[illegible]	2 बीघा 5 कट्ठा तीन 5 धूर

इसी तरह आगे भी

पुरानी मुद्रा १९५६ से पूर्व

१ पैसा	)।	९ आना	॥=)
२ पैसा	)॥	१० आना	॥=)
३ पैसा	)॥।	११ आना	॥≡)
१ आना	=)	(जैसे ३/४ रुपया) १२ आना	।।।)
सवा आना	=)।	१३ आना	।।।=)
डेढ़ आना	=)॥	१४ आना	।।।=)
पौने दो आना	=)॥।	१५ आना	।।।≡)
२ आना	≡)	१ रुपया	१)
सवा दो आना	≡)।		
अढ़ाई आना	≡)॥		
पौने तीन आना	≡)॥।		
३ आना	≡)		
सवा तीन आना	≡)।		
साढ़े तीन आना	≡)॥		
पौने चार आना	≡)॥।		
४ आना (१/४ रुपया)	।)		
५ आना	।=)		
६ आना	।=)		
७ आना	।≡)		
८ आना (१/२ रुपया)	॥)		

३ पाई = १ पैसा
४ पैसा = १ आना
४ आना = १/४ रुपैया
८ आना = १/२ रुपैया
१२ आना = ३/४ रुपैया
१६ आना = १ रुपैया
६४ पैसा = १ रुपैया

१९५६ के बाद का सिक्का

१ नया पैसा
२ नया पैसा
३ नया पैसा = आधा आना
६ " " = १ आना
१२ " " = २ आना
१९ " " = ३ आना
२५ " " = ४ आना
३१ " " = ५ आना
३८ " " = ६ आना
४४ " " = ७ आना
५० " " = ८ आना
५६ " " = ९ आना
६२ " " = १० आना
६९ " " = ११ आना
७५ " " = १२ आना
८१ " " = १३ आना
८८ " " = १४ आना
९४ " " = १५ आना
१०० " " = १ रुपैया (१६ आना)

तौल (वजन) ठोस पदार्थ (लिखना)

S—	१ छटाक	२S	—	२ सेर
S=	२ (सवा की) छटाक	३S	—	३ सेर
S≡	३ छटाक	४S	—	४ सेर
S।	१ पाव	४S—	—	४ सेर १ छटाक
S।—	१। पाव	४S=	—	४ सेर २ "
S।=	१॥ पाव	४S≡	—	४ सेर ३ "
S।≡	१॥। पाव	४S।	—	४। सेर
S॥	२ पाव	४S।—	—	४ सेर ५ "
S॥—	२। पाव	४S।=	—	४ सेर ६ "
S॥=	२॥ पाव	४S।≡	—	४ सेर ७ "
S॥≡	२॥। पाव	४S॥	—	४॥ सेर
S।।।	३ पाव	४S॥—	—	४ सेर ९ "
S।।।—	३। पाव	४S॥=	—	४ सेर १० "
S।।।=	३॥ पाव	४S॥≡	—	४ सेर ११ "
S।।।≡	३॥। पाव	४S।।।	—	४॥। सेर "
१S	१ सेर	४S।।।—	—	४ सेर १३ छटाक
१S।—	१ सेर पाँच छटाक	४S।।।=	—	४ सेर १४ छटाक
		४S।।।≡	—	४ सेर १५ छटाक
		५S	—	५ सेर
		१०S	—	१० सेर
		२०S	—	२० सेर
		३०S	—	३० सेर
		४०S	—	४० सेर

= १ मन
= ३६.३२४
१०० किलोग्राम = १ क्वींटल, मन

जानें

८ खसखस = १ चावल
८ चावल = १ रत्ती
८ रत्ती = १ माशा
१२ माशा = १ तोला
५ तोला = १ छटाक
४ छटाक = १ पाव
२ पाव = १/२ सेर
४ पाव = १ सेर
४० सेर = १ मन

नोट — १।— सवा, १॥— डेढ़, १॥।— पौने दो पढ़िये।

सवैया

१–१०	११–२०	२१–३०	३१–४०	४१–५०	५१–६०	६१–७०	७१–८०	८१–९०	९१–१००
१।	१३।।।	२६।	३८।।।	५१।	६३।।।	७६।	८८।।।	१०१।	११३।।।
२॥	१५	२७॥	४०	५२॥	६५	७७॥	९०	१०२॥	११५
३।।।	१६।	२८।।।	४१।	५३।।।	६६।	७८।।।	९१।	१०३।।।	११६।
५	१७॥	३०	४२॥	५५	६७॥	८०	९२॥	१०५	११७॥
६।	१८।।।	३१।	४३।।।	५६।	६८।।।	८१।	९३।।।	१०६।	११८।।।
७॥	२०	३२॥	४५	५७॥	७०	८२॥	९५	१०७॥	१२०
८।।।	२१।	३३।।।	४६।	५८।।।	७१।	८३।।।	९६।	१०८।।।	१२१।
१०	२२॥	३५	४७॥	६०	७२॥	८५	९७॥	११०	१२२॥
११।	२३।।।	३६।	४८।।।	६१।	७३।।।	८६।	९८।।।	१११।	१२३।।।
१२॥	२५	३७॥	५०	६२॥	७५	८७॥	१००	११२॥	१२५

ड्योढ़ा

१–१०	११–२०	२१–३०	३१–४०	४१–५०	५१–६०	६१–७०	७१–८०	८१–९०	९१–१००
१॥	१६॥	३१॥	४६॥	६१॥	७६॥	९१॥	१०६॥	१२१॥	१३६॥
३	१८	३३	४८	६३	७८	९३	१०८	१२३	१३८
४॥	१९॥	३४॥	४९॥	६४॥	७९॥	९४॥	१०९॥	१२४॥	१३९॥
६	२१	३६	५१	६६	८१	९६	१११	१२६	१४१
७॥	२२॥	३७॥	५२॥	६७॥	८२॥	९७॥	११२॥	१२७॥	१४२॥
९	२४	३९	५४	६९	८४	९९	११४	१२९	१४४
१०॥	२५॥	४०॥	५५॥	७०॥	८५॥	१००॥	११५॥	१३०॥	१४५॥
१२	२७	४२	५७	७२	८७	१०२	११७	१३२	१४७
१३॥	२८॥	४३॥	५८॥	७३॥	८८॥	१०३॥	११८॥	१३३॥	१४८॥
१५	३०	४५	६०	७५	९०	१०५	१२०	१३५	१५०